कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ----

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ----

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☑ अंग्रेजी ☐

विषय ...... भूगोल

परीक्षा का दिन..........

दिनांक ....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जावेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 158/2016

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(1.) "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील सम्बंधों का अध्ययन है।" मानव भूगोल को इस प्रकार परिभाषित करने वाला भूगोलवेत्ता एलन सी. सैम्पल है।

(2.) जनसंख्या घनत्व :- भूमि के प्रति वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में निवास करने वाले व्यक्तियों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

(3.) मुख्य श्रमिक :- वह व्यक्ति जो एक वर्ष में 183 दिनों से अधिक दिन काम करता है, वह मुख्य श्रमिक कहलाता है।
सीमान्त श्रमिक :- वह व्यक्ति जो एक वर्ष में 183 दिनों से भी कम दिन काम करता है, सीमान्त श्रमिक कहलाता है।

(4.) नियोजन के प्रमुख दो उपगमन हैं :-
(i) खंडीय नियोजन , (ii) प्रादेशिक नियोजन

(5.) विश्व व्यापार की कुल मात्रा में भारत की भागीदारी 1% है।

(6.) भूमध्य सागरीय प्रदेशों में वर्ष भर समान व अनुकूल जलवायु होने के कारण इतिहास के आरम्भिक कालों से बसे हुए हैं।

(7.) परिवहन जाल :- विभिन्न स्थान मार्गों की परस्पर श्रेणियो

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

के माध्यम से आपस में जुड़े होते है। इससे अनेक स्थान आपस में एक केन्द्र से जुड़े होते है। इसे ही परिवहन जाल कहते है।

(8) 1991 की भारतीय जनगणना के अनुसार नगरीय बस्ती के लिए वांछित न्यूनतम जनसंख्या घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

(9) विश्व के सुदूर प्रदेश में रह रहे अपने रिश्तेदार से तत्काल सम्पर्क हेतु साधन इन्टरनेट है जो संचार का प्रमुख साधन है।

(10) नगरीय क्षेत्र में सड़क तंत्र पर यातायात संकुलता की समस्या के दो कारण निम्न है:
(i) सड़क जाल तंत्र का जनसंख्या के अनुरूप विकसित न होना।
(ii) नगरों की अधिक जनसंख्या व वाहनो की अधिकता।

(11) रेखिक प्रतिरूप की बस्तियों के अवलोकनार्थ हम निम्न दो भूदृश्यों का चयन करेंगे:
(i) नदियाँ (ii) सड़क।

(12) यदि भारत में महिला शिक्षा शत प्रतिशत हो जाये तो जनसंख्या वृद्धिदर पर निम्न प्रभाव पडने की सम्भावना है:

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इससे शिशु जन्म दर व लिंग भेदभाव में कमी आ जायेगी। इससे प्राकृतिक वृद्धि दर में कमी आ जायेगी।

(13) मध्य भारत के बुंदेलखंड प्रदेश में यात्रा के दौरान हम गुच्छित ग्रामीण बस्तियों का अवलोकन करेंगे।

(14) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की नगर रणनीति की चार प्राथमिकताएं निम्न हैं :-

(i) वायु ~~प्रमुख~~ प्रदूषण कम होना चाहिए।

(ii) निर्धनों के लिए आश्रयस्थलों का निर्माण किया जाना चाहिए।

(iii) आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध करायी जानी चाहिए।

(iv) महिलाओं को भी सभी सुविधाएँ प्राप्त होनी चाहिए जैसे चिकित्सा, शिक्षा आदि।

(15) भारत में लैगून और पश्चजल केरल, उड़ीसा व प. बंगाल के तटीय क्षेत्रों के आस-पास पाई जाती है।

इनके उपयोग निम्न प्रकार से है :-

(i) मछली पालन के लिए।

(ii) चावल की कुछ निश्चित किस्मों को उगाने में।

(16) नगरीय गन्दी बस्तियों की चार समस्याएँ निम्न प्रकार से हैं :-

(i) गन्दी बस्तियों में जनसंख्या का जमाव अधिक होने के कारण क्षुद्र कॉलोनियों व गन्दे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

मकानों का निर्माण हो जाता है। जो स्वास्थ्य के लिए खतरा उत्पन्न कर देती है।

(ii) नगरीय गंदी बस्तियों में प्रदूषण अधिक होता है तथा अधिक उपयोग से भौम जल में कमी आ जाती है।

(iii) जनसंख्या के अधिक हो जाने से कूड़ा-करकट निष्तारण की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

(iv) नगरीय गंदी बस्तियों में आधारभूत सुविधाओं व स्वच्छता में कमी आ जाती है तथा चिकित्सा, शिक्षा आदि सुविधाएँ सभी को प्राप्त नहीं हो पाती।

(17) कुटीर एवं छोटे पैमाने के उद्योग में तुलना निम्न प्रकार से है :

(i) कुटीर उद्योग :- कुटीर उद्योग परिवार का भरण पोषण करने के लिए घर पर ही स्थापित किये जाते हैं। इसमें पुराने औजारों व घर से प्राप्त वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है तथा घरेलू वस्तुओं का निर्माण हाथों से किया जाता है। जैसे - चटाई, टोकरी, घड़ा आदि।

(ii) छोटे पैमाने के उद्योग :- छोटे पैमाने के उद्योग घर से बाहर कारखाने में वस्तुओं का निर्माण किया जाता है। इसमें घरेलू बाजार से कच्चा माल

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्राप्त किया जाता है। इसमें मशीनों का प्रयोग किया जाता है जिससे इसमें उच्च पूँजी की आवश्यकता होती है।

(18) साक्षरता दर वर्ष 2001 की राज्यों से सुमेलित: मिलान

(i) 47.53 — बिहार

(ii) 54.46 — राजस्थान

(iii) 90.92 — केरल

(iv) 61.03 — जम्मू और कश्मीर

(19) आधुनिक जीवन शैली ध्वनि प्रदूषण हेतु उत्तरदायी है। इसके निम्न कारण है :-

(i) वर्तमान में उद्योगों की अधिक स्थापना व प्रौद्योगिक तकनीक के पूर्ण विकसित न होने से मशीनों से अधिक आवाज आती है।

(ii) वाहनों के द्वारा हॉर्न, साइलेंसर से आदि की तीव्र आवाजें तथा वाहनों में ध्वनि सुधारों की कमी के कारण।

(iii) अधिक खनन क्रियाओं, निर्माण उद्योगों में मशीनों से अधिक आवाजें आने से।

(iv) शहरी लोग द्वारा कान फाड़ संगीत सुनने से आदि।

इस प्रकार आधुनिक जीवन शैली ध्वनि प्रदूषण के

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

लिए उत्तरदायी है।

(20) जनसंख्या घनत्व को निम्न सूत्र द्वारा परिकलित किया जाता है:

जनसंख्या घनत्व = कुल जनसंख्या / क्षेत्रफल

क्षेत्रफल = 530 वर्ग किमी.
जनसंख्या = 85860 व्यक्ति

जनसंख्या घनत्व = 85860 / 530 = 8586 / 53

= 162 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.

(21) संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी पूर्वी भाग में अधिक मुद्रा प्राप्त करने के लिए मिश्रित कृषि सर्वाधिक उपयुक्त है। विशेषताएँ:

(i) इसमें राई, जई, सरसों आदि के साथ ही पशुपालन क्रिया भी की जाती है।

(ii) इसमें खेत मध्यम प्रकार के होते हैं तथा अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है।

(22) इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र के सतत विकास को बढ़ावा देने हेतु चार उपाय निम्न प्रकार से हैं:

(i) वृक्षारोपण व वनीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

(ii) अधिक जल में उत्पादित होने वाली फसलों की जगह कम जल में उत्पादित फसलें बोई जानी चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) नहरों से प्राप्त जल का उचित उपयोग किया जाना चाहिए, सभी को जल प्रयोग करने के लिए प्राप्त होना चाहिए। नहरों से गाद व मिट्टी को निकाला जाना चाहिए तथा ओसरा पद्धति अपनानी चाहिए।

(iv) ग्रामीण क्षेत्रों में कृषकों को भूस्वामियों के जाल से आजाद करने व अधिक सुविधायें उपलब्ध कराने के प्रयास करने चाहिए।

(25) साइबर स्पेस :- साइबर स्पेस इन्टरनेट ~~कम्प्यूटर~~ द्वारा कम्प्यूटरी कृत स्पेस का संसार है। यह व्यक्ति के शारीरिक संचलन के ~~बीच~~ बिना सूचनाओं व सन्देशों को कम्प्यूटर के द्वारा अन्य व्यक्ति तक पहुँचता सकता है। जब दो कम्प्यूटर आपस में साइबर स्पेस द्वारा जोड़ दिये जाते हैं तो एक स्थान पर बैठा व्यक्ति बहुत मिलों दूर बैठे अपने मित्र से आमने-सामने बैठकर बात कर सकता है।

यह बहुत से कम्प्यूटरों को आपस में जोड़ देता है।

साइबर स्पेस-इन्टरनेट का प्रयोग सर्वाधिक संयुक्त राज्य अमेरिका में किया जाता था परन्तु वर्तमान में यह विकासशील देशों द्वारा भी अधिक प्रयोग किया जा रहा है जैसे - संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, भारत, जापान, सिंगापुर आदि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

यह सूचनाओं को भी प्रसारित करता है। यह ई. कॉमर्स, ई. वाणिज्य, ई. शिक्षा, ई. प्रौद्योगिकी, ई. राजनीतिक के माध्यम से अलग - अलग सूचनाओं को प्रसारित कर आम लोगों के जीवन को सफल बनाता है।

(26) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार :- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार देश की राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर अनेक देशों के साथ किया जाता है। यह बहुत से देशों को आपस में जोड़ता है। विभिन्न देशों के द्वारा राष्ट्रीय सीमाओं के आर - पार किया जाने वाला वस्तुओं व सेवाओं का व्यापार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहलाता है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार दो प्रकार का होता है-

(i) द्विपार्श्विक व्यापार, (ii) बहुपार्श्विक व्यापार

(i) द्विपार्श्विक व्यापार :- यह व्यापार दो देशों के मध्य किया जाता है। इसमें एक देश कुछ निश्चित वस्तुओं को समझौते के अनुसार आयात करता है कि दूसरा देश उसके द्वारा उत्पादित अन्य वस्तुओं को आयात करे जिससे सन्तुलन बना रहे।

(ii) बहुपार्श्विक व्यापार :- यह व्यापार बहुत से देशों के मध्य होता है। इसमें

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

देशो के समूह बनाये जाते है तथा अच्छा सन्तुलन बनाये रखने वालो को सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्रो की उपाधि दी जाती है।

(27) ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में आधारभूत अन्तर निम्न प्रकार से है :-

ग्रामीण बस्तियाँ	नगरीय बस्तियाँ
(i) ग्रामीण बस्तियों के लोगो का प्रमुख व्यवसाय प्राथमिक क्रियाओं जैसे - कृषि, पशुपालन, मछली पालन आदि से होता है।	नगरीय बस्तियों के लोगों का प्रमुख व्यवसाय द्वितीयक व तृतीयक क्रियाओं जैसे - विनिर्माण, परिवहन, सेवायें आदि
(ii) ग्रामीण बस्तियाँ कम गतिशील होती है क्योंकि यहाँ परिवहन जाल कम होता है तथा यहां सामाजिक संबंध घनिष्ठ होते है।	नगरीय बस्तियाँ अधिक गतिशील होती है क्योंकि यहाँ परिवहन जाल सुविकसित होता है तथा सम्बंध औपचारिक होते है।
(iii) ग्रामीण बस्तियों व चिकित्सा, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवायें कम विकसित होती है।	इसमें स्वास्थ्य सेवायें, शिक्षा आदि सुविकसित होती है।
(iv) ये नोड बिन्दु नही होती है	ये नोड बिन्दु होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(24) संचार :- किसी भी सूचना या जानकारी को शीघ्र व सरल तरीके से अधिक लोगों तक पहुंचाने का साधन संचार कहलाता है। इसके द्वारा सूचनाओं का आदान - प्रदान भी किया जा सकता है तथा देश - विदेश की घटनाओं की जानकारियां भी प्राप्त की जा सकती है।

संचार दो प्रकार का होता है -

(i) वैयक्तिक संचार (ii) सार्वजनिक संचार (जनसंचार)

जनसंचार के साधन निम्न प्रकार से है :-

(i) रेडियो :- रेडियो का प्रसारण 1923 में रेडियो क्लब ऑफ बॉम्बे द्वारा किया गया था। यह धीरे - धीरे जनता द्वारा अधिक पसन्द किया जाने लगा इसलिए सरकार ने इसे अपने हाथों में ले लिया। बाद में इसे आल इंडिया रेडियो से सम्बद्ध कर दिया। इसके द्वारा मनोरंजन, राजनीतिक, कृषि, संगीत आदि से सम्बन्धित सूचनाओं का प्रसारण किया जाता है। प्राचीन समय में संसार का सबसे लोकप्रिय साधन यही था।

(ii) टेलीविजन :- प्रारम्भिक समय टेलीविजन

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

का उपयोग राजधानी तक ही सीमित था, इससे सूचनाओं को देखा व सुना जा सकता था। 1959 में इसे विस्तृत कर दिया जाता है तथा 1972 में ऑल इंडिया से सम्बद्ध कर दिया गया तथा एक समन्वित नेटवर्क डी.डी. 1 का प्रसारण चालू हुआ। यह भी खासा लोकप्रिय हुआ।

(iii) उपग्रह :- धीरे-धीरे प्रौद्योगिकी के विकास के साथ उपग्रह जैसे तीव्रतम संचार का प्रसारण शुरू हुआ। मानव ने कृत्रिम उपग्रह बनाकर पृथ्वी की कक्षा में भेजे। इनके द्वारा प्राप्त चित्रों का प्रयोग सीमा क्षेत्रों की चौकसी मौसम के पूर्वानुमान की जानकारियाँ प्राप्त करने में किया जाता है। इन्हें उद्देश्यों व कार्यप्रणाली के आधार पर दो भागों में बाँटा गया है।

(क) INSAT (इन्सेट) (ख) IRS (आई.आर.एस)

(क) INSAT → इसका पूरा नाम इंडियन नेशनल सेटेलाइट सिस्टम है। इसका निर्माण 1983 में किया गया था। यह बहुउद्देशीय संचार परियोजना है।

(ख) IRS → इसका पूरा नाम इंडियन रिमोट ~~सेंसिंग~~ ~~सैटेलाइट~~ है। इसका निर्माण 1988 में प्रारम्भ हुआ।

भारत ने भी इस क्षेत्र में प्रगति की है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

भारत का प्रक्षेपण वाहन पी.एस.एल.वी. है। (पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल) इससे रंग के स्पेक्ट्रम प्राप्त करके जानकारियाँ प्राप्त होती है।

(27) उद्योगो की स्थिति को प्रभावित करने वाले चार कारक निम्न प्रकार से है :-

(i) कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता
(ii) बाजार तक अभिगम्यता
(iii) शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता
(iv) श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता

(i) कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता :- उद्योग का निर्माण या स्थापन ऐसे स्थानों पर किया जाता है जहां पर कच्चा माल उपलब्ध हो या कच्चे माल को कम परिवहन लागत से प्राप्त किया जा सके। कुछ कच्चे माल मे भार ह्रास की समस्या पाई जाती है जैसे - गन्ना से चीनी बनाने के लिए गन्ना उत्पादित क्षेत्रों के पास चीनी उद्योग लगाये जाते है ताकि गन्ना सूख न जाये।

(ii) बाजार तक अभिगम्यता :- बाजार तक अभिगम्यता से तात्पर्य बाजार मे उसकी खपत करने के लिए लोगो की कम

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

क्षमता से है। उद्योग की स्थापना वहाँ कि जाती है जहाँ की जनता बाजार से वस्तुओं को खरीद सके। उत्तरी यूरोप व अमेरिका में लोगों की क्रय शक्ति अधिक होने के कारण उद्योगों का सान्द्रण अधिक है।

iii) शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता :- उद्योगों की स्थापना शक्ति के साधनों के आस-पास जैसे - कोयला, बिजली आदि की जाती है। जैसे - एल्युमिनियम उद्योग के लिए एल्युमिनियम के प्रगलन व निर्माण के लिए बिजली व कोयला चाहिए आदि।

iv) श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता :- जहाँ पर सस्ता श्रम मौजूद होता है वहाँ पर उद्योग अधिक लगाये जाते है ताकि लागत कम आये। भारत में श्रम जनसंख्या का अनुपात अधिक है। वर्तमान में मशीनों के निर्माण से श्रम लागत में व्यक्तियों की जगह मशीनों का प्रयोग बढ़ गया है। जैसे यूरोपीय उच्च प्रौद्योगिकी प्रदेश जहाँ मशीनों से वस्तुए उत्पादित की जाती है।

30.) पशुचारण :- प्राचीन समय में अनुसूचित जातियों व जनजातियों द्वारा अपने परिवार व स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पशुओं को पाला जाता था तथा उनसे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्पादित दूध, मांस आदि को बेच दिया जाता था। इसे ही पशुचारण कहते है। परन्तु वर्तमान में पशुचारण व्यापारिक गतिविधि बन गयी है व इसकी परिभाषा बदल गयी है। अब पशुओं से अधिक लाभ कमाने व व्यापार करने के लिए पशुओं को पाला जाता है। इसे ही पशुचारण कहते है।

(उ)(i) चलवासी पशुचारण :- चलवासी पशुचारण का पहला क्षेत्र उत्तरी अफ्रीका के अटलांटिक तट से होता हुआ मंगोलिया तक विस्तृत है। दूसरा क्षेत्र यूरोप व एशिया के टुण्ड्रा प्रदेश है तथा तीसरा दक्षिण अफ्रीका का दक्षिणी भाग व मेडागास्कर द्वीप है।

(ii) प्रक्रिया :- इसमें प्राचीन तरीके से पशुचारण किया जाता है तथा यह आजीविका के लिए किया जाता है। इसमें पशुचारक पशुओं को ऋतु के अनुसार मैदानी भागों से पर्वतीय भागों में पशुचारण क्रिया के लिए ले जाता है

(iii) पालतू पशु :- इसमें पशुओं का पालन क्षेत्रों के अनुरूप किया जाता है। मरुस्थलीय भागों में बकरी, भेड, ऊंट, दक्षिणी अफ्रीका में गाय, बैल, आदि पशुओं को पाला जाता है।

Sl.No. : 157623

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2016

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2016

Subject : GEOGRAPHY

उत्तर - 24

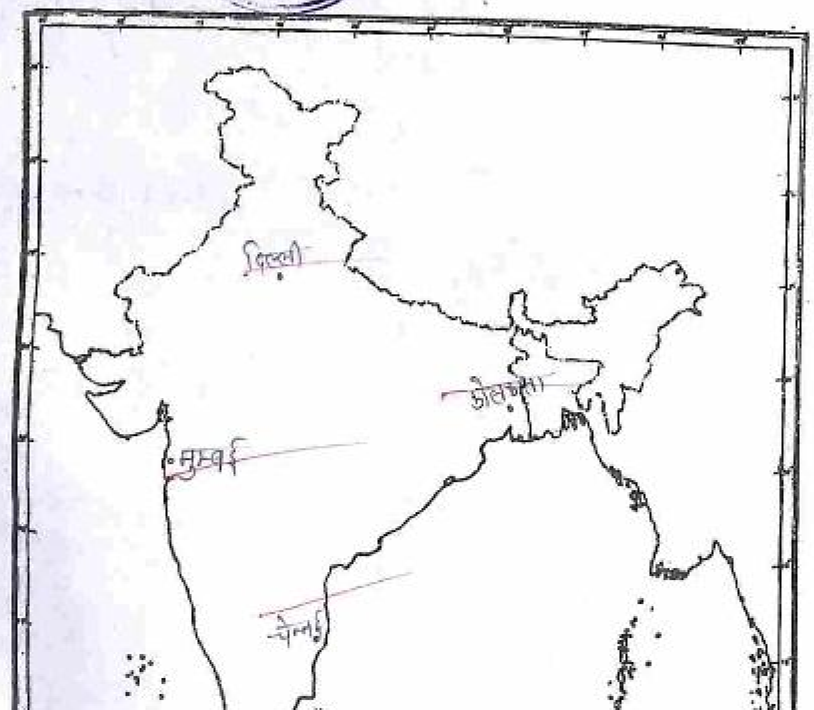

Sl.No. : 157632

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2016

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2016

Subject : GEOGRAPHY

उत्तर - 23

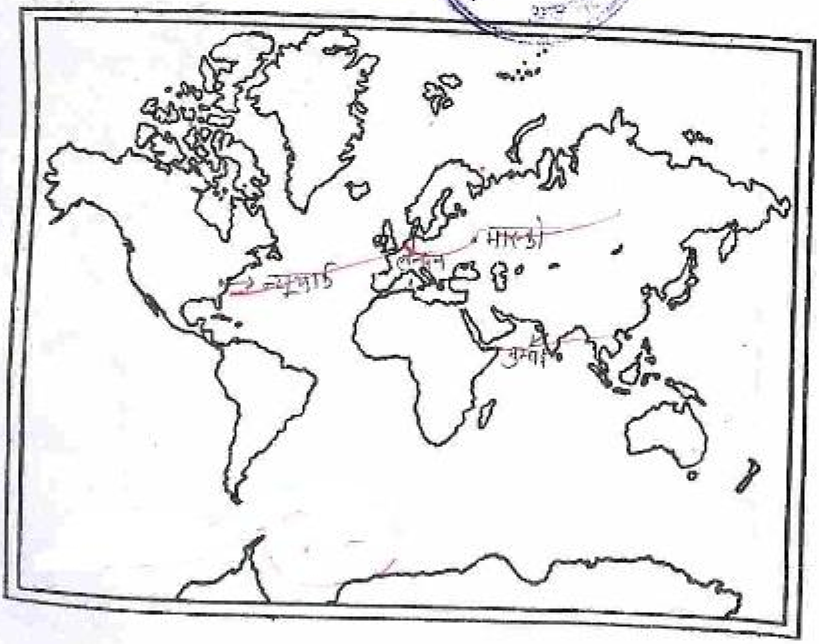

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(२१) (i) वाणिज्य पशुपालन :- इसके क्षेत्र निम्न है : संयुक्त राज्य अमेरिका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूरुग्वे, कनाड़ा आदि में यै किया जाता है।

(ii) प्रक्रिया :- इसमें आधुनिक तरीके काम में लिये जाते है। इसमें पशुओं को बाड़ा बनाकर रखा जाता है जब एक भाग की चराई समाप्त हो जाती है तो दूसरे भाग में चराई शुरू कर दी जाती है। इसमें आधुनिक तरीके से पशु के मर जाने पर उसे वैज्ञानिक तरीके से संसाधित कर दिया जाता है। जानवारो के प्रजनन, सुरक्षा, स्वास्थ्य जांच आदि की जाती है।

(iii) पालतू पशु :- यहां पशुओ में भेड, मरेरिया, बकरी आदि का पालन किया जाता है। इसमें एक ही प्रकार के पशुओं को पाला जाता है।

(23) हवाई पत्तन :-

(२४) सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र :